

DPN 5528

बृहस्पतिरिग क्रिया

ŚRĪHA ŚUDDHYA KRİYĀ

Title :

Run. No. 6219

Cat. No.

Micro. No.

Subject विधि Ritual

Religion : Hindu / Ba^Luddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. ✓ New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 11.5 x 8

Folios 3

Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl. ✓

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. ✓ / Dev. / Bhu^j. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thya^ssaphu /

Condition : fine / damaged ✓ by worms, rats, water ✓ /

Beginning, colophon, post-colophon :

ॐ नमः श्री गणेशाय ॥ ॐ नमः श्री गणेशाय ॥
कालिख्यत ॥ धनयशस्विनीयुतिमाला ॥
मादृ १ पंचानन १ २ गामू १ ३ मासवम्या १
स्वा ५ १ त १ ५ १ पु ५ १ ध १ न कि ३
०० का ५ का १ कि १ १ क १ ल १ स १ स १ क १
१ ग १ ग १ ला १ १ त १ ५ १ धी १ क १ रु १ ल १ सा १ पा १ न् १ ग्वा
स १ १ आ १ ख्य १ त १ १

15

ह॥ शुभ पातनं फलसथियक॥ पत्रा दु
वीहिमुय॥ ॥ थननकि पूजायाय ध्यान
रक्कण शधनं वीरं सर्व मात्र निरुदनं वाम
जानुलि सार मो अचन वीरं तुला वशुत॥

10

पा-पू॥ चरुमहा मोघ स यनम सार
कण शधनाय नमः स्तुत॥ रुदि

5

कायनम॥ अचन वी गाय नमः स्तुत॥
ये॥ ला॥ रु॥ ॥ नमस्ते वा न पाय न न
सुपत्रम वनः चले लाष॥ देव अ सिदि
दहि न मानमः॥ ॥ दत ता रुति॥ स्वस्ति
ता रु॥ ॥ अरुन आदि प्यादि प्या विषा विष
श्री रुव्य क वा ता रु ना य श्री चले म हा ला
सदवे ता रु किं कृ नु दव ता रु ति रु द रु द

0 cm.

5

10

15

20

धनमनमरुतिः॥ दिवंगतभूमकनामं धयस्व रूतलोक
वर्जिता सर्वदुर्गतिविभावनसुगमिप्रोक्तिकामनाथर्व
दमनमरुतिगृह्णस्वस्तिस्वाहा॥ मर्चापहानपूजावा
यः॥ ॥ धनपूरीरुतिविषयः॥ स्वस्तिवाक्यः॥ दानपुमि
कायः॥ दानपुमिजमानस्यजीवनजाकर्तुं नृद्विस्ति
रुक्तिमहानक्रियाकथेश्विष्मलाग्रीनीदपूरीरु
तीगृह्णस्वस्तिस्वाहा॥ पूर्यचिंकायः॥ नकिंविसर्ज

नः॥ नकिं नायः॥ रुं घपघाटय २ सर्वदुष्टानविघ्नानरु
रुदुस्वाहाः॥ रुं वगुकीलय २ सर्वपापानरु रुदुः॥ व
मृगलवगुकीलाकाटय २ रु रुदुस्वाहाः॥

रुद्र स्था ॥ ॥ मूत्रा तथा ध-कु-
 र्यलू-कु-॥ क-व-कु-॥ ध-न-न-का
 ॥ स-प्र-जा-या-य ॥ ॥ ध-म-लि-ग-वि-य
 ॥ ला-हा-प-क ॥ सु-वी-ग-॥ ध-य-य-॥ रु-
 हा-ग-य-॥ क-ल-॥ ध-य-॥ ॥ ध-न
 च-क्र-र-जा ॥ ला-क-पा-न-व-त्रि ॥ ॥ रु-

मा-न-ध-त-द-क ॥ कि-ग-त-न-क ॥ गु-
 द-कि-म-नि-स-ग-रु-मा-य-न-रु-
 का-क-वि-य-का-य ॥ क-र-स-को-को-
 क-वि-य ॥ सि-क्र-मि-क-रु-वि-य ॥ प-ंच-क-
 स-म-या-च-क्र ॥ ॥ वृ-ध-वा-घ-ल-रु-
 व-लि-क-पा-त-वि-य-मा-न-
 ध-वो-रु-म-ध-त-य-क-को-य ॥ ॥

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20